

2, 4, 5. H. 1193 (m.). an. 2, 571. MED. sh. 23. HALAJ. 3, 19, 24, 3, 75. RV. 1, 117, 16, 191, 11, 7, 30, 3. विषमैभ्यो म्रत्नवः 6, 61, 3. विषं गवां यातुधानाः पिबन्तु so v. a. *Milch soll ihnen zu Gift werden* 10, 87, 18, 23. केशी विषस्य पात्रेण यदुद्रेणापिबन्तु 136, 7. AV. 4, 6, 2. fgg. 5, 19, 10, 6, 90, 2. CAT. Br. 2, 4, 3, 2, 9, 1, 1, 10, 3, 20. विषेण तां समामोषधयो ऽक्ताः PANĀV. Br. 6, 9, 9. TBr. 2, 1, 1, 1. M. 4, 56 (pl.). 10, 88. मध्यापातो विषास्वादः 11, 9. विषमग्निं जलं रज्जुमास्थायै MBh. 3, 2163. 2622. तीक्ष्ण 2838. राघवे विषं तिप्त्वा (मुक्ता ed. Bomb.) R. 2, 43, 2. संमोहादिह बालेन यथा स्यादन्ति विषम् 63, 11. R. GORR. 1, 46, 31. Suçr. 1, 2, 16, 21, 14. तीक्ष्णाणि — उक्ताति विषाणि नागः Çiç. 4, 62. तीक्ष्णविषदिग्धेन शरेण MBh. 13, 268. दिग्धस्य भक्तस्य Spr. (II) 1506, v. 1. प्रदिग्ध VARĀH. BRH. S. 78, 1. 13, 7. दुग्धमप्युग्रे विषम् Spr. (II) 2088. मधु तिष्ठति जिह्वे हृदि कालाकलं विषम् (I) 1182, v. 1. 1623. माता यदि विषं दद्यात् 2167. नानाकारमपि प्रशाम्यति विषं गारुतमादृमनः 2706. कृहीना नागः 2868. विषादप्यमृतं ग्राह्यम् 2869. विविधैर्मन्त्रप्रयोगैर्विषम् (शक्यं चारयितुम्) 2929. यत्तद्विषं विषमिव परिणामे ऽमृतापमम् 4769. समानाद्वाक्ष्यो नित्यमुद्विजेत विषादिव 5187. Buāg. P. 4, 18, 22. विषाग्निं brennendes Gift Rt. 1, 19. VARĀH. BRH. S. 12, 12. विषाग्निपा unter den Beiw. Çiva's MBh. 12, 10436. विषानलं PANĀR. 1, 3, 19. मदनविषानलं VARĀH. BRH. 24 (22), 7. घालं, घातं, दृष्टिं, मूत्रं u. s. w. Suçr. 2, 237. fgg. जङ्गम, स्थावर 231, 9. Verz. d. Oxf. H. 314, b, 12. fgg. रक्त 98, a, 5. परिता 86, a, 5. प्रतिषेध 309, a, 6. 11, 13, 18. 337, b, 2. तत्र 309, a, 6. Verz. d. B. H. No. 946. स्थावरजङ्गमविषदान 963. प्रयोग 903. विषोपविषाधन 967. विषाणां शोधनम् 969. विषं स्तम्भयति Nṛs. Tāp. Up. in Ind. St. 9, 118. लडुकुं vergiftet Ver. in LA. (III) 9, 11. fg. विषयं Buāg. P. 5, 1, 22. कर्णं in's Ohr geträufeltes Gift (uneig.) Spr. (II) 1546. दुर्धीता विषं विद्या अतीर्णं भोजनं विषम् । विषं गोष्ठी द्रिद्रस्य वृद्धस्य तरुणी विषम् (I) 1173. नामृतं न विषं किंचिदेकां मुक्ता नितम्बिनीम् 1549. 2839. am Ende eines adj. comp. (f. घ्रा) व्याली तीक्ष्णमहाविषा R. GORR. 2, 9, 40. व्याली घोरविषा 34, 9. 73, 17. सविषाणामन्त्रानाम् Spr. 4983. विष = वत्सनाभ RĀĠAN. im ÇKDr. — b) Wasser NAIGH. 1, 12. AK. 3, 4, 29, 225. H. ç. 163. H. an. MED. Hierher RV. 10, 136, 1 nach Nir. 12, 28. — c) mystische Bez. des Buchstabens म WEBER, RĀMAT. Up. 317. fgg. — 2) adj. giftig (f. घ्रा) AV. 7, 113, 2 (im Wortspiel). — 3) f. घ्रा eine best. Pflanze (= घ्राति u. s. w.) AK. 2, 4, 3, 18. H. an. MED. RATNAM. 94. Suçr. 1, 420, 1. — Vgl. घ्रा, घ्रा, घ्राति, उप, दृष्टि, दृष्टि (auch Kir. 14, 25), नष्ट, निर्विष, नेत्र, प्रविषा, प्रतिविष, मन्द, महा (कालाकलं R. 1, 43, 21), मूत्र, लाला, लोम.

3. विष (nom. act. von 1. विष् in इर्विष; nach NĪLAK. = उःखेन वेष्टुं व्याप्तुं प्रवेष्टुमशक्यः).

4. विष u. fehlerhafte Schreibart für विस MUKUṬA zu AK. nach ÇKDr. Myrrhe RĀĠAN. im ÇKDr.

विषकण्टकिनी f. eine best. giftige Pflanze, = बन्ध्याकर्कोटकी RĀĠAN. im ÇKDr.

विषकन्द m. ein best. giftiges Knollengewächs, = नीलकन्द RĀĠAN. im ÇKDr.

विषकन्या f. Giftjungfrau, ein Mädchen, das angeblich dem, der ihr beiwohnt, den Tod bringt, KATHĀS. 19, 82. MEDRĀ. 42, 16. Verz. d. B. H.

263, N. — Vgl. विषाङ्गना und GUTSCHMID in Z. d. d. m. G. 15, 94. fg.

विषकृत adj. vergiftet: भट्ट R. 2, 88, 20 (96, 23 GORR.). 98, 4.

विषकृमि (विष = 3. विष् + कृ) m. Mistkäfer Spr. 3013.

विषगिरि m. Giftberg AV. 4, 6, 7; vgl. 8.

विषघ 1) adj. Gift zerstörend. — 2) f. घ्रा *Cocculus cordifolius* DC.

(गुडूची) ÇABDAK. im ÇKDr.

विषघात m. Giftarzt R. GORR. 2, 90, 24.

विषघातक adj. durch Gift tödend, Giftmörder VARĀH. BRH. S. 86, 32.

विषघातिन् 1) adj. Gift zerstörend. — 2) m. *Mimosa Seeressa* (शिरीष) ROXB. ÇABDAM. im ÇKDr.

विषघ्न 1) adj. (f. ई) Gift zerstörend; n. *Antidoton* Suçr. 1, 166, 1. घग्द 240, 6. 2, 4, 2. 251, 5. 254, 6. घग्द, रत्न M. 7, 218. उदक, मणि KĀM. NĪTIS. 7, 10. घडुलीय KATHĀS. 10, 50. 95. क्रिया PANĀR. 3, 14, 40. चित्ताविषघ्नो ऽग्दः Spr. 2342. — 2) m. Bez. verschiedener Pflanzen: *Mimosa Seeressa* (शिरीष) ROXB. H. an. 3, 416. MED. n. 133. ÇABDAK. im ÇKDr. = पवास und विभीतक RĀĠAN. ebend. = चम्पक ÇATĀDH. ebend. — 3) f. ई Bez. verschiedener Pflanzen: *Hingcha repens* ROXB. TRIK. 2, 4, 31. *Ipomoea Turpethum* R. Br. und *Cocculus cordifolius* DC. H. an. MED. *Tragia involucrata* Ltn. RATNAM. 69. = हरिद्रा, शालपर्णी und इन्द्रवारुणी AUŠH. 33. = वनवर्बरिका, स्वल्पफला, भूम्यामली, रक्तपुनर्नवा, वृश्चिकाली und महाकरञ्ज RĀĠAN. im ÇKDr. — पान PANĀR. 3, 14, 12.

विषङ्ग (von सञ्जु mit वि) m. das Hängen an; s. निर्विषङ्ग.

विषङ्गिन् (von विषङ्ग) adj. am Ende eines comp. behaftet so v. a. gesalbt mit: दिव्यानुलेपनं PANĀR. 3, 11, 5.

विषजल n. Giftwasser Buāg. P. 10, 31, 3.

विषजिह्व 1) adj. giftzünftig CAT. Br. 1, 1, 4, 18. — 2) m. *Lipocercis serrata* Trin. (देवताड) RATNAM. 62.

विषजुष्ट adj. vergiftet: शोणित Suçr. 1, 93, 1.

विषज्वर m. Buñfel ÇABDAR. im ÇKDr. विषज्वर WILSON nach ders. Aut.

विषाणि m. eine Schlangenart ÇABDĀRTHAK. bei WILSON.

विषाण्ड n. = मृणाल ÇABDAR. im ÇKDr.

विषास s. u. सद् mit वि; davon ता f. Bestürzung H. 312.

विषता (von 2. विष) f. das Giftsein: विषतां समुपैति wird zu Gift Çiç. 9, 68.

विषतिन्डु m. N. zweier Giftpflanzen: = कारस्कर RĀĠAN. im ÇKDr. = कुपीलु BHĀVAPR. im ÇKDr.

विषवर s. विषज्वर.

1. विषद 1) n. grüner (schwarzer) *Eisenvitriol* RĀĠAN. im ÇKDr. — 2) f. घ्रा = घ्रातिविषा und वृद्धकोटली (vulg.) AUŠH. 46.

2. विषद fehlerhaft für विषद.

विषदंष्ट्रा f. eine best. Pflanze, = सर्पकङ्काली RATNAM. im ÇKDr.

विषदत्तक m. eine Schlange mit Giftzähnen ÇABDAK. im ÇKDr.

विषदर्शनमृत्युक m. eine Fasanart (beim Anblick von Gift den Tod findend) H. 1340. — Vgl. विषमृत्यु.

विषदायक m. Giftmischer R. 2, 73, 38.

विषहृषण adj. Gift zerstörend AV. 6, 100, 1. 10, 4, 24.

विषद्रुम m. 1) Giftbaum Spr. 2733. RĀĠA-TAR. 4, 26. — 2) etn best. Giftbaum, = कारस्कर RĀĠAN. im ÇKDr.